

ਪਛੋ ਪੰਜਾਬ ਪਛਾਓ ਪੰਜਾਬ ਹਿੰਦੀ ਟੀਮ

ਪਾਠਯਕਰਮ 2021-22

ਕਕਸ਼ਾ-ਚੁਠੀ ਪਾਠਯਕਰਮ ਪਰਥਮ ਚਰਣ (1-15 ਮਝੀ)

ਪਾਠ-2 (ਸਬਸੇ ਬਡਾ ਧਨ)

ਅਭਯਾਸ

1. ਨੀਚੇ ਗੁਰੁਮੁਖੀ ਔਰ ਦੇਵਨਾਗਰੀ ਲਿਪਿ ਮੇਂ ਢਿਓ ਗਯੇ ਸ਼ਬਡੋਂ ਕੋ ਪਛੋਂ ਔਰ ਹਿੰਦੀ ਸ਼ਬਡੋਂ ਕੋ ਲਿਖਨੇ ਕਾ ਅਭਯਾਸ ਕਰੋ:-

ਉਪਾਯ = ਉਪਾਯ

ਲੱਖ = ਲਾਖ

ਹੱਥ = ਹਾਥ

ਪ੍ਰਾਪਤ = ਪ੍ਰਾਪਤ

ਦੁੱਖੀ = ਦੁ:ਖੀ

ਘਬਰਾਇਆ = ਘਬਰਾਯਾ

ਪੈਸਾ = ਪੈਸਾ

ਮੂਰਖ = ਮੂਰਖ

2. ਆਗੇ ਏਕ ਹੀ ਅਰਥ ਕੇ ਲਿਓ ਪੰਜਾਬੀ ਔਰ ਹਿੰਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਮੇਂ ਸ਼ਬਡ ਢਿਓ ਗਯੇ ਹੈਂ, ਇਨ੍ਹੇਂ ਧਯਾਨ ਸੇ ਪਛੋਂ ਔਰ ਹਿੰਦੀ ਸ਼ਬਡੋਂ ਮੇਂ ਲਿਖੋ:-

ਜੀਵਿਤ = ਜੀਵਿਤ

ਮੁੱਖ = ਮੁਖ

ਨਿਰੋਗ = ਸਵਸਥ

ਅਮੀਰ = ਧਨਵਾਨ

ਸਮਾਂ = ਸਮਯ

ਨੇੜੇ, ਕੋਲ = ਪਾਸ

3. ਨੀਚੇ ਲਿਖੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਂ ਕੇ ਉਤਰ ਏਕ ਵਾਕਯ ਮੇਂ ਢੋ:-

(ਕ) ਕਪਿਲ ਮੁਨਿ ਕੇ ਆਸ਼ਰਮ ਕਾ ਕਯਾ ਨਾਮ ਥਾ?

ਉਤਰ- ਕਪਿਲ ਮੁਨਿ ਕੇ ਆਸ਼ਰਮ ਕਾ ਨਾਮ ਮੁਕਤਸਰ ਆਸ਼ਰਮ ਥਾ।

(ਖ) ਰਾਹੁਲ ਕੈਸਾ ਆਦਮੀ ਥਾ?

ਉਤਰ- ਰਾਹੁਲ ਏਕ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਥਾ।

(ਗ) ਮੁਨਿ ਨੇ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਸਬਸੇ ਪਹਲੇ ਕਯਾ ਮਾਂਗਾ?

ਉਤਰ- ਮੁਨਿ ਨੇ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਸਬਸੇ ਪਹਲੇ ਉਸਕੀ ਢੀਨੀ ਆੱਖੇਂ ਮਾਂਗੀ।

(ਘ) ਕਪਿਲ ਮੁਨਿ ਨੇ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਢਸ ਲਾਖ ਰੁਪਏ ਕੇ ਬਢਲੇ ਮੇਂ ਕਯਾ ਮਾਂਗਾ?

ਉਤਰ- ਕਪਿਲ ਮੁਨਿ ਨੇ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਢਸ ਲਾਖ ਰੁਪਏ ਕੇ ਬਢਲੇ ਮੇਂ ਉਸਕਾ ਮੁਖ ਮਾਂਗਾ।

4. ਨਿਮਨਲਿਖਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਂ ਕੇ ਉਤਰ ਢੀਨ ਯਾ ਚਾਰ ਵਾਕਯੋਂ ਮੇਂ ਲਿਖੋ:-

(ਕ) ਕਪਿਲ ਮੁਨਿ ਢਵਾਰਾ ਢੀਨੀ ਆੱਖੇਂ ਮਾਂਗਨੇ ਪਰ ਰਾਹੁਲ ਨੇ ਕਯਾ ਜਵਾਬ ਢਿਯਾ?

ਉਤਰ- ਕਪਿਲ ਮੁਨਿ ਢਵਾਰਾ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਢੀਨੀ ਆੱਖੇਂ ਮਾਂਗਨੇ ਪਰ ਰਾਹੁਲ ਨੇ ਮਨਾ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਕਹਾ ਕਿ ਆੱਖੇਂ ਢੇ ਢੂੰਗਾ ਤੋ ਫਿਰ ਮੈਂ ਢੇਖੂੰਗਾ ਕੈਸੇ? ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਆੱਖੇਂ ਤੋ ਨਹੀਂ ਢੇ ਸਕਤਾ।

(ਖ) ਮੁਨਿ ਢਵਾਰਾ ਢੀਨੀ ਹਾਥ ਮਾਂਗਨੇ ਪਰ ਰਾਹੁਲ ਸੋਚ ਮੇਂ ਕਯੋਂ ਪਡ ਗਯਾ?

ਉਤਰ- ਮੁਨਿ ਢਵਾਰਾ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਉਸਕੇ ਢੀਨੀ ਹਾਥ ਮਾਂਗਨੇ ਪਰ ਵਹ ਇਸਲਿਓ ਸੋਚ ਮੇਂ ਪਡ ਗਯਾ ਕਿ ਅਗਰ ਹਾਥ ਢੇ ਢੂੰਗਾ ਤੋ ਫਿਰ ਕਾਮ ਕੈਸੇ ਕਰੂੰਗਾ।

(ਗ) ਜਬ ਮੁਨਿ ਨੇ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਉਸਕੇ ਢੀਨੀ ਪੈਰ ਮਾਂਗੇ ਤੋ ਰਾਹੁਲ ਕਯੋਂ ਘਬਰਾ ਗਯਾ?

ਉਤਰ- ਜਬ ਮੁਨਿ ਨੇ ਰਾਹੁਲ ਸੇ ਉਸਕੀ ਢੋ ਲਾਖ ਰੁਪਏ ਢੇਨੇ ਕੀ ਭਾਤ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਉਸਕੇ ਢੀਨੀ ਪੈਰ ਮਾਂਗ ਲਿਓ ਤੋ ਵਹ ਯਹ ਸੋਚਕਰ ਘਬਰਾ ਗਯਾ ਕਿ ਪੈਰੋਂ ਕੋ ਢੇ ਢੇਨੇ ਸੇ ਵਹ ਤੋ ਚਲ ਫਿਰ ਭੀ ਨਹੀਂ ਸਕੇਗਾ।

(ਘ) ਮੁਨਿ ਢਵਾਰਾ ਢਸ ਲਾਖ ਰੁਪਏ ਕਾ ਲਾਲਚ ਢੇਨੇ ਪਰ ਭੀ ਰਾਹੁਲ ਨੇ ਅਪਨਾ ਮੁਖ ਉਨ੍ਹੇਂ ਕਯੋਂ ਨਹੀਂ ਢਿਯਾ?

ਉਤਰ- ਮੁਨਿ ਢਵਾਰਾ ਮੁਖ ਕਾ ਮੂਲਯ ਢਸ ਲਾਖ ਰੁਪਏ ਢਿਓ ਜਾਨੇ ਪਰ ਭੀ ਰਾਹੁਲ ਨੇ ਮਨਾ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਕਹਾ ਕਿ, "ਹੇ ਮੁਨਿਰਾਜ! ਯਢਿ ਮੈਂ ਆਪਕੋ ਅਪਨਾ ਮੁਖ ਹੀ ਢੇ ਢੂੰਗਾ ਤੋ ਖਾਝੂੰਗਾ ਕੈਸੇ? ਪੀਝੂੰਗਾ ਕੈਸੇ? ਖਾਏ-ਪੀਏ ਭੀਨਾ ਮੈਂ ਜੀਵਿਤ ਕੈਸੇ ਰਹੂੰਗਾ?"



(ड) मुनि ने सबसे बड़ा धन किसे कहा?

उत्तर- मुनि ने राहुल को समझाते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा धन है, इस शरीर से मेहनत कर और कमा कर खा।

(च) कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल के जीवन में क्या असर पड़ा?

उत्तर- कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल शरीर का महत्व समझ गया और उसने मेहनत करनी शुरू कर दी जिससे वह देखते ही देखते अमीर बन गया।

5.



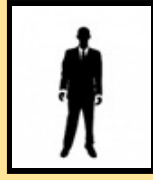
बूढ़ा



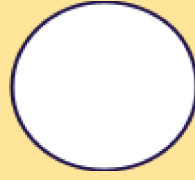
जवान



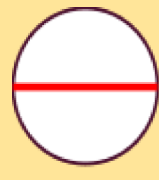
मोटा



पतला



पूरा

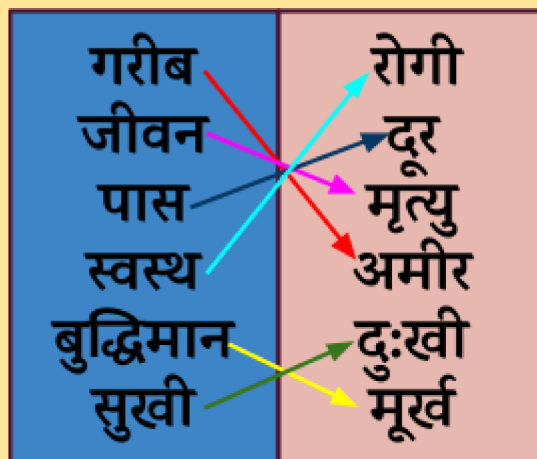


आधा

ऊपर दिए गए चित्रों के नीचे कुछ शब्द लिखे हुए हैं-

बूढ़ा-जवान, मोटा-पतला, पूरा-आधा। ये शब्द एक दूसरे से उल्टा अर्थ दे रहे हैं अर्थात् एक दूसरे के विपरीत हैं। ऐसे शब्दों को ही विलोम शब्द कहते हैं।

6. विलोम शब्दों का मिलान करो:-



सोचिए और लिखिए-

यदि आप राहुल की जगह होते तो क्या करते?

उत्तर- यदि हम राहुल की जगह होते तो मुनि के पास जाने की अपेक्षा आरम्भ से ही परिश्रम करके जीवन में सफलता प्राप्त करने का प्रयास करते। धनवान बनने का मूल मंत्र है परिश्रम। इसी मूल मंत्र को ध्यान में रखते हुए परिश्रम करते तथा सफल होते।

प्रयोगात्मक व्याकरण

(क) कपिल मुनि मुक्तसर आश्रम में रहते थे।

(ख) क्या तुम्हारे पास कोई मकान है?

(ग) उनको राहुल पर गुस्सा आया।

(घ) राहुल ने मेहनत करने की ठान ली।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कपिल मुनि', 'राहुल', व्यक्तियों के नाम हैं। 'मुक्तसर' स्थान का नाम है। 'मकान' वस्तु का नाम है। 'गुस्सा' भाव विशेष का तथा 'मेहनत' गुण विशेष का नाम है। अतएव कपिल मुनि, राहुल, मुक्तसर, मकान, गुस्सा तथा मेहनत किसी न किसी के नाम को प्रकट कर रहे हैं। ऐसे पद, जो किसी के नाम का बोध कराएँ, संज्ञा कहलाते हैं। अतएव, किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

7. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटिए और बॉक्स में लिखिए:-

(क) राहुल एक गरीब आदमी था।

राहुल

गरीब

आदमी

(ख) कपिल मुनि ने फिर पूछा, “कोई मकान, कोई खेत, कुछ तो होगा?”

कपिल मुनि

मकान

खेत

(ग) कपिल मुनि ने उससे आँखें, हाथ, पैर, मुख और जीभ माँगी।

कपिल मुनि

आँखें

हाथ

पैर

मुख

जीभ

दुःख

(घ) उसे बहुत दुःख हुआ।

(ङ) राहुल ने परिश्रम करना शुरू कर दिया।

राहुल

परिश्रम

8. नीचे लिखे शब्दों में अक्षरों को उचित क्रम में रखकर सही शब्द बनाओ:-

तेड़ागिगिड़ - गिड़गिड़ाते

राबघया - घबराया

तेहचा - चाहते

लकपि - कपिल

कानम - मकान

जरामहा - महाराज

एइलिस - इसलिए

वानभग - भगवान

मारकक - कमाकर

हमेतन - मेहनत

9. बूझो तो जानें

सफेद रंग की कटोरी में

अंडा देखो काला-काला

खोलो तो देखो सबको

बंद करो तो अंधियारा

उत्तर - आँख

'प' अक्षर से मेरा नाम

चलते रहना मेरा काम

सोच समझ के बच्चो!

तुम बतलाओ मेरा नाम

उत्तर-पैर

स्वाद तुम्हें मैं हूँ बतलाती

छिपकर मैं हूँ मुँह में रहती

मीठा बोलूँ तो नाम कमाऊँ

कड़वा बोलूँ तो मुँह की खाऊँ

उत्तर - जीभ

तिलक, तमाचा, ताली मुझसे

चित्रकला, लेखन सब मुझसे

ऐसे-ऐसे करतब मैं करता

सारा जग है अचरज करता

उत्तर - हाथ

बत्तीस है सिपाही जिसके

है ऐसा एक राजा

आगे लगा हुआ है उसके

महल सा दरवाज़ा

उत्तर - मुँह

आदि कटे तो राम बन जाता

बीच कटे तो आम बन जाता

थक टूटकर जब घर आते

तब मैं सबको याद आता

उत्तर - आराम

अभ्यास हेतु बहु-वैकल्पिक प्रश्न

- कपिल मुनि के आश्रम का क्या नाम था?
(क) निकेतन आश्रम (ख) संत आश्रम
(ग) मुक्तेश्वर आश्रम (घ) मुक्तसर आश्रम
- राहुल के पास निम्नलिखित में से क्या-क्या था?
(क) एक मकान (ख) थोड़ा धन
(ग) एक खेत (घ) इनमें से कुछ भी नहीं
- कपिल मुनि ने राहुल से दो लाख रुपये के बदले में क्या माँगा?
(क) उसकी आँखें (ख) उसके हाथ
(ग) उसके पैर (घ) उसका मुख
- राहुल धन कमाने के लिए क्या सीखना चाहता था?
(क) मंत्र (ख) चोरी
(ग) जादू-टोना (घ) भीख माँगना
- राहुल धन के बदले मुनि को क्या देना चाहता था?
(क) अपनी आँखें (ख) अपना मुख
(ग) अपने पैर (घ) कुछ नहीं
- राहुल के पास लाखों रुपयों की कौन सी चीज थी?
(क) बड़ा घर (ख) ज़मीन
(ग) स्वस्थ शरीर (घ) सोने के गहने
- कपिल मुनि के आश्रम का नाम मुक्तसर आश्रम था। (सही/गलत)
- राहुल एक अमीर आदमी था। (सही/गलत)
- कपिल मुनि ने राहुल से सबसे पहले उसकी आँखें माँगी। (सही/गलत)
- स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा धन है। (सही/गलत)

व्याकरण

मुहावरे

परिभाषा:- 'मुहावरा' सामान्य अर्थ का बोध न कराकर विशेष अर्थ का बोध कराने वाले पदबंध को मुहावरा कहते हैं। मुहावरे के प्रयोग से भाषा सरस, रोचक एवं प्रभावपूर्ण बन जाती है।

- अंग-अंग मुस्काना (बहुत खुश होना):- कक्षा में प्रथम आने पर उसका अंग-अंग मुस्काने लगा।
- अंधाधुंध चलाना (बिना सोचे समझे चलाना):- अंधाधुंध चलाने से राम के साइकिल की चेन टूट गई।
- अंधे की लकड़ी (एकमात्र सहारा):- श्रवण अपने माता-पिता के लिए अंधे की लकड़ी था।
- आँसुओं से हाथ भिगोना (किसी को अकारण दुःख देना):- मुखिया ने बच्चों को डाँटते हुए कहा कि हमें किसी के आँसुओं से हाथ नहीं भिगोने चाहिए।
- आसमान सिर पर उठाना (शोर करना):- अध्यापक जब कक्षा में नहीं थे तो बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।
- ईद का चाँद होना (बहुत समय बाद दिखाई देना):- अरे भाई! तुम तो ईद का चाँद हो गए हो, दिखाई ही नहीं देते।
- कान का कच्चा (बिना विचार किए किसी की बात पर विश्वास करने वाला):- किसी को भी कान का कच्चा नहीं होना चाहिए, सोच समझ कर ही फैसला लेना चाहिए।
- गुदड़ी का लाल (निर्धन परिवार में जन्मा गुणी व्यक्ति/छुपा रुस्तम):- लाल बहादुर शास्त्री जी वास्तव में गुदड़ी के लाल थे।
- चेहरा खिल उठना (बहुत खुश होना):- परीक्षा में प्रथम आने की खबर सुनकर राम का चेहरा खिल उठा।
- चिर निद्रा में सोना (मृत्यु को प्राप्त होना):- 11 जनवरी 1966 को शास्त्री जी चिर निद्रा में सो गए।

- 11.जिगर का टुकड़ा(बहुत प्यारा):-राम अपने माता-पिता के जिगर का टुकड़ा है।
- 12.जुट जाना(पूरी तरह लग जाना):-अब बच्चों को पढ़ाई में जुट जाना चाहिए।
- 13.जाल में फंसी मछली की तरह(मुसीबत में पड़ा आदमी):-छत से गिरने पर राम जाल में फंसी मछली की तरह तड़पने लगा।
- 14.जीवन लीला समाप्त होना(मर जाना):-लम्बी बीमारी के कारण राम की जीवन लीला समाप्त हो गई।
- 15.नौ दो ग्यारह होना(जल्दी से भाग जाना):-पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।
- 16.प्रसन्नता की लहर दौड़ना(बहुत खुश होना):-विजेता टीम के चेहरों पर प्रसन्नता की लहर दौड़ गई।
- 17.फूले नहीं समाना(बहुत खुश होना):-नानी के पास जाने की खबर सुनकर राम फूले नहीं समा रहा था।
- 18.मुँह के बल गिरना(जोर से गिरना):-राज को धक्का लगने पर वह मुँह के बल गिर पड़ा।
- 19.हवा से बातें करना(बहुत तेज़ चलना):-बाबा भारती का घोड़ा हवा से बातें करता हुआ दौड़ रहा था।
- 20.हाथ पैर मारना(कोशिश करना):-हाथ पैर मारने से ही सफलता मिलती है।



**तैयार कर्ता :-डॉक्टर श्रीमती योगिता महेश शर्मा डीएम (हिंदी) ज़िला कपूरथला
व समस्त बीएम (हिंदी) ज़िला कपूरथला।**

